# ECHO OF HIS CALL

## बुलावे की प्रतिध्वनि

HINDI

ECHO OF HIS CALL 1969-2019 GOLDEN JUBILEE
REACHING NATIONS

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : Sis. DOROTHY S. THOMAS

Vol. XXX YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, 2025 FEBRUARY No.03


पवित्र बाइबल!
इन वचनों को याद करें
परमेश्वर की स्तुति हो

**नीतिवचन 21:22–31**

22 बुद्धिमान शूरवीरों के नगर पर चढ़कर, उनके बल को जिस पर वे भरोसा करते हैं, नष्ट करता है।
23 जो अपने मुँह को वश में रखता है, वह अपने प्राण को विपत्तियों से बचाता है।
24 जो अभिमान से रोष में आकर काम करता है, उसका नाम अभिमानी, और अहंकारी ठट्ठा करनेवाला पड़ता है।
25 आलसी अपनी लालसा ही में मर जाता है, क्योंकि उसके हाथ काम करने से इन्कार करते हैं।
26 कोई ऐसा है, जो दिन भर लालसा ही किया करता है, परन्तु धर्मी लगातार दान करता रहता है।
27 दुष्टों का बलिदान घृणित लगता है; विशेष करके जब वह महापाप के निमित्त चढ़ाता है।
28 झूठा साक्षी नाश होता है, परन्तु जिसने जो सुना है वही कहता हुआ स्थिर रहेगा।
29 दुष्ट मनुष्य कठोर मुख का होता है, और जो सीधा है वह अपनी चाल सीधी करता है।
30 यहोवा के विरुद्ध न तो कुछ बुद्धि, और न कुछ समझ, न कोई युक्धति चलती है।
31 युद्ध के दिन के लिये घोड़ा तैयार तो होता है, परन्तु जय यहोवा ही से मिलती है।

# जीतने के लिए दौड़ो!

**RUN TO WIN!**

*मानद प्रधान सम्पादिका, रेव्ह. एन्जेलिन सेल्वाकुमारी*

यह १९८६ के एशियाई खेल थे और सियोल में ८०० मीटर का फाइनल होने वाला था। (शायद तब आप पैदा भी नहीं हुए होंगे।) पूरा देश बेसब्री से भारत के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक शाइनी अब्राहम के रोमांचक प्रदर्शन का इंतज़ार कर रहा था। लोगों की उम्मीदें बढ़ गई थीं क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि वह स्वर्ण पदक जीतेगी।

जब शाइनी ने सबसे पहले अन्तिम रेखा पार की, तो हर भारतीय को जो गर्व और खुशी महसूस हुई, वह वर्णन से परे थी। पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ गई। हालांकि, यह उत्साह ज्यादा देर तक नहीं रहा। कुछ ही क्षणों बाद, यह घोषणा की गई कि शाइनी को जल्दी लेन (पथ) बदलने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया है।

राष्ट्र का सामूहिक जोश मिट गया और सब का दिल टूट गया। शाइनी का परिश्रम दृढ़ संकल्प और अतः प्रयास उसे विजय को हासिल करने के लिए काफी नहीं था जिसके वह लायक थी। वह

*पृष्ठ 3 मे क्रमशः...*

**एको ऑफ हिज़ कॉल** *5 मिनिट का संदेश!!*

**यू ट्यूब *मसीही चैनल!***

तुम्हें पास्टर एस. सैम सिल्वा राज के साथ प्रार्थना करने का अवसर मिलेगा!

*अंग्रेजी, हिन्दी, तमिल और तेलूगू*

*प्रतिदिन सुबह 2 बजे*

*तमिल रविवार सभा – सुबह 8:30 बजे*

**★ Please Subscribe and Share ★**

ECHO OF HIS CALL - (1969-2019 GOLDEN JUBILEE YEAR)

REACHING NATIONS

# from your dearly beloved brother...

## OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

HON. EDITOR-IN-CHIEF
Rev. Angeline S. Kumari, M.A., M.Sc., M.Ed.
HON. MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.
GENERAL MANAGER
Bro. N. Prakasam, M.A., M.Sc.(C&P), PGDHRM., MBA.
ADMINISTRATION
Sis. Jesy Veena Sam
Adv. K. Puratchivendan, M.Com., C.A., B.L.
Dr. P.E.R. Premchand, M.Sc., M.A., M.Ed., Ph.D.
Dr. C.G.S. Baburao, B.Tech., M.Tech. (DM), Ph.D.
Dr. Rabinder Boaz, M.S. (CMC)
EDITORIAL BOARD
Dr. Serena Bevin, M.A., M.Phil., B.Ed.
Sis. Sajini Cherian
Rev. Dr. K.R. Rajasekaran
Rev. Dr. William Robert, Ph.D., DD, D.Lit.
EDITOR, PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 98412 71858 95661 31858
E.MAIL
sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in
WEBSITES
www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.com
YOUTUBE CHANNEL
Echo of His Call

**"मैं सचमुच तुझे बहुत आशीष दूंगा, और तेरी सन्तान को बढ़ाता जाऊंगा।" इब्रानियों 6:14**

प्रभु में प्रिय,

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम में अभिवादन।

नए वर्ष 2025 में प्रवेश करते हुए, हम परमेश्वर की बहुतायत के अनुग्रह और विश्वासयोग्यता के लिए प्रभु को महिमा दें। उसके पवित्र नाम की स्तुति हो। आप कैसे हैं? मुझे आशा है कि यह संदेश आपको उत्तम स्वास्थ्य और स्थिर विश्वास में पाएगा। हमें हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रति निरंतर आभारी रहना है, उन अनगिनत आशीषों के लिए जिसको उसने हम पर उण्डेला है।

इस सुबह में आपकी आत्मिक, भौतिक और भावनात्मक भलाई के लिए प्रार्थना करता हूं। मुझे अगुवाई हो रही है कि मैं आपके साथ एक भक्ति पूर्ण संदेश साझा करूं जो मेरे अंदर गहराई से प्रतिध्वनित हो रहा है।

## ताड़ना सजा नहीं है!

जब हम परमेश्वर को पूरी तरह से कबूल न करते हुए, उसकी सराहना न करते हुए लगातार परमेश्वर के छुटकारे का अनुभव करते हैं, हम निश्चित हो सकते हैं। घमंड धीरे से हमारे हृदय में प्रवेश कर सकता है और परमेश्वर पर हमारी निर्भरता को कम करता है और हमारी कृतज्ञता को घटाता है। उसके प्रेम में परमेश्वर ताड़ना देता है ताकि हमें सुधार सके और हमारा मार्गदर्शन कर सके।

जब केवल डांट से बदलाव नहीं आता तो परमेश्वर हमें नम्र बनाने के लिए और हमें अपने करीब खींचने के लिए क्लेश की अनुमति देता है। भजन का रचियता इस प्रकार के क्लेश का भजन संहिता 119:75 में उल्लेख करता है, सज़ा के रूप में नहीं परंतु हमें मार्ग से भटकने से रोकने के लिए प्रेम पूर्ण ताड़ना के रूप में।

परमेश्वर का चरित्र प्रेम और विश्वासयोग्यता में गहराई से जड़ पड़े हुए हैं। उसकी विश्वासयोग्यता, स्थिरता और अटूट समर्पण को सूचित करती है। मनुष्यों के विपरीत परमेश्वर ईर्ष्या के साथ बदला नहीं लेता बल्कि वह अपने प्रेम में सुसंगत बनाता है। क्लेश को गलत मत समझिए। वह अनाज्ञाकारिता की सज़ा नहीं है। सज़ा उन लोगों के लिए सुरक्षित रखी गई है जो परमेश्वर से अलग हो गए हैं, परंतु ताड़ना उसके बच्चों के लिए प्रेम का कार्य है जो कुछ जिन्होंने कुछ पल के लिए अपना मार्ग खो दिया होगा। परमेश्वर अपने लोगों को क्रोध से ताड़ना नहीं देता परंतु उन्हें बढ़ाते हुए और उन्नति करते हुए देखने की गहरी इच्छा से ताड़ना देता है। यह समझाने से हमें धन्यवादी हृदय के साथ और उचित रवैये के साथ ताड़ना को स्वीकार करने में सहायता मिलती है। युसूफ ऐसे व्यक्ति का गम्भीर उदाहरण था जिसने सही दृष्टिकोण से क्लेश को अपनाया (उत्पत्ति 50:15—21)।

हे यहोवा, मैं जान गया कि तेरे नियम धर्ममय हैं, और तू ने अपनी सच्चाई के नुसार मुझे दु:ख दिया है। भजन 119:75।

परमेश्वर आपको बहुतायत की आशीष दे।

*मसीह यीशु में आपके सेवक,*
*पास्टर एलेक्स सैमसन सैम*
*पास्टर एस. सैम सिल्वा राज*

(+91) 98410 71858 / 98412 71858 Email: sam@echoofhiscall.org

Our Ministries: ECHO OF HIS CALL Monthly Magazines (16 languages) BIBLECOR - Postal Courses (3 languages) YouTube Ministry Online Courses Theological Correspondence Courses (2 languages) Church Planting Nehemiah Bible Colleges Gospel Printing Press Great Commission Partners St. Paul's Matriculation School Crusades Community Development

## एको ऑफ हिज़ कॉल के पाठकों : ध्यान दें

हमारे 5 मिनिट के एको ऑफ हिज़ कॉल यूट्यूब संदेश सुबह 2 बजे तमिल, अंग्रेज़ी और हिंदी में प्रतिदिन प्रसारित किए जाते हैं। इन संदेशों को देखने से आप परमेश्वर का अनुग्रह पा सकते हैं।

इसके अलावा, आपके व्यक्तिगत मोबाइल फोन में मेरे मोबाइल क्रमांक (+91) 98410 71858, (+91)98412 71858 सेव करें।

– पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज

*पृष्ठ 1 से आगे:...*

एक भयानक झटका था, न केवल शाइनी के लिए बल्कि हर भारतीय के लिए जो उसकी प्रशंसा करता था और उसमें विश्वास करता था। आज भी जब कभी मैं उसे पल के बारे में सोचती हूं तो मेरा दिल शाइनी के लिए दुखी होता है, जो ऐसी खिलाड़ी है जिसे मैं बहुत आदर करती हूं और प्रशंसा करती हूं।

## जीतने के लिए दौड़ें!

जीवन एक दौड़ है और परमेश्वर ने हमें से हर एक के लिए एक अनोखा मार्ग तैय

ार किया है। कुछ लोग तेज दौड़ने वाले हैं और कुछ लोग लंबी दूरी पर दौड़ने वाले हैं और कुछ लंबी बाधा दौड़ वाले खिलाड़ी हो सकते हैं, अरे कोई खास कौशल और रणनीतियों की आवश्यकता है। हम किसी और की दौड़ नहीं दौड़ सकते क्योंकि परमेश्वर ने अपनी ईश्वरीय इच्छा के अनुसार हर यात्रा को तैयार किया है।

हर तरह की दौड़ के लिए एक भिन्न प्रकार के बल, शक्ति और रणनीति की आवश्यकता होती है। धावक आसानी से लंबी दूरी की दौड़ पूरी नहीं कर सकता और न ही मैराथन में दौड़ने वाला भारी प्रयास और तैयारी के अपनी दौड़ में उत्तमता हासिल कर सकता है। इस तरह परमेश्वर हमें उसके लिए निर्धारित की गई दौड़ को दौड़ने के लिए अनुग्रह और योग्यता प्रदान करके हमें सुसज्जित करता है।

हम दृढ़ परिश्रम के साथ अपनी दौड़ दौड़े और दूसरों की अंतिम रेखा पर ध्यान देते हुए नहीं परंतु परमेश्वर के उद्देश्य पर जो उसने अनोखे रूप से हमारे लिए तैयार किया है।

यदि हम भिन्न प्रकार की दौड़ दौड़ने का चुनाव करते हैं क्योंकि वह लोकप्रिय है, फैशन में है या सुरक्षित सूत्र दिखाई देता है – तो हम अपने उद्देश्य के सार को खो देते हैं। ऐसा करते समय, हम उस दौड़ को नहीं दौड़ सकते जो सचमुच में महत्व रखती है। अंतिम लक्ष्य है – उस ट्रैक पर बने रहना जो परमेश्वर ने हमारे लिए तय किया है और उस पुरस्कार को हासिल करना है जिसकी प्रतिज्ञा उसने हमसे की है।

यदि हम अपने ठहराए गए मार्ग से भटक जाते हैं और किसी और के ट्रैक पर दौड़ते हैं तो भले ही हम दौड़ पहले पूरी करें फिर भी हम हार जाते हैं। हम इनाम हासिल नहीं कर पाएंगे। इसी कारण बाइबल हमें सिखाती है :

**क्या तुम नहीं जानते कि दौड़ में तो दौड़ते सब ही हैं, परन्तु इनाम एक ही ले जाता है? तुम वैसे ही दौड़ो कि जीतो।** १ कुरिन्थियों ९:२४

## हम कैसे दौड़ दौड़ते हैं?

### १. विश्वासयोग्यता के साथ दौड़े!

**मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूँ, मैं ने अपनी दौड़ पूरी कर ली है, मैं ने विश्वास की रखवाली की है।** २ तीमुथियुस ४:७

पुरस्कार जीतने के लिए हमें विश्वासयोग्यता के साथ दौड़ना है। विश्वासयोग्यता हमारे जीवनी के हर क्षेत्र में आवश्यक है- चाहे हमारे काम में हो, विवाह में, पैसों में, रिश्तों में, आत्मिक यात्रा में।

परमेश्वर ने जिस दौड़ को दौड़ने के लिए हमें बुलाया है वह एक साधारण दौड़ नहीं है, वह एक लड़ाई है। जैसा कि पौलुस कहता है, **मैं ने अपनी दौड़ पूरी कर ली है।** प्रतिदिन हम इस संसार के हाकीम के खिलाफ़ आत्मिक युद्ध में लड़ते हैं, जो हमारे जीवनों के लिए परमेश्वर के उद्देश्य को विफल करने हेतु दृढ़ संकल्प है। उसका लक्ष्य स्पष्ट है : चोरी करना, मार डालना और नाश करना (यूहन्ना १०:१०)। वह हमारे सिरजनहार के प्रति हमारी विश्वासयोग्यता को परखना चाहता है। यह ऐसी रणनीति है जिसकी शुरुआत उसने अदन की वाटिका में की।

सांप ने परमेश्वर की विश्वासयोग्यता पर सवाल किया और उसके द्वारा उसने हव्वा के मन में संदेह को बोया। इस कार्य ने परमेश्वर में उसके भरोसे को और उसकी आज्ञा को खोखला बना दिया और अंत में उसके विश्वास को नष्ट कर दिया। जैसा कि लिखा है :

**तब सर्प ने स्त्री से कहा, तुम निश्चय न मरोगे! वरन् परमेश्वर आप जानता है कि जिस दिन तुम उसका फल खाओगे उसी दिन तुम्हारी आंखें खुल जाएंगी, और तुम भले बुरे का ज्ञान पाकर परमेश्वर के तुल्य हो जाओगे।** उत्पत्ति ३:४-५

इस छल के द्वारा सांप ने आदम और हव्वा का उनके सृजनहार के साथ एक समय जो रिश्ता था उसे चुरा लिया नाश कर दिया और मार दिया।

परमेश्वर हमें विश्वासयोग्य होने के लिए बुलाता है क्योंकि वह विश्वासयोग्य है। इब्रानियों १०:२३ हमें याद दिलाता है :

**आओ हम अपनी आशा के अंगीकार को दृढ़ता से थामे रहें, क्योंकि जिसने प्रतिज्ञा की है, वह सच्चा है।**

जब परमेश्वर प्रतिज्ञा करता है तो वह उसे पूरी करता है। भले ही ऐसा लगे कि आपकी प्रार्थनाएं वर्षों तक अनुत्तरित हैं, फिर भी यह जानें कि वह आपको भूला नहीं है। भजन ५६:८ हमें आश्वासन देता है कि परमेश्वर ने हर आंसू को संग्रहित किया है और उसे अपने लेखे में लिखकर रखता है। वह हमेशा अपने लोगों के प्रति विश्वासयोग्य है और अपने सिद्ध समय में उत्तर देगा।

इसलिए अपनी दौड़ दौड़ते रहिए, उस समय भी जब आप उसके कार्य का प्रमाण

देख नहीं सकते। हमारे विश्वासयोग्य परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्यता के लिए स्थिर विश्वास की आवश्यकता है।

परमेश्वर ने पहले ही हमें चेतावनी दी है

**जो दुःख तुझ को झेलने होंगे, उन से मत डर। क्योंकि देखो, शैतान तुम में से कुछ को जेलखाने में डालने पर है ताकि तुम परखे जाओ; और तुम्हें दस दिन तक क्लेश उठाना होगा। प्राण देने तक विश्वासी रह, तो मैं तुझे जीवन का मुकुट दूँगा।** - प्रकाशितवाक्य २:१०

जो दौड़ हम दौड़ रहे हैं वह आसान नहीं है- वह उस बाधा दौड़ के समान है जिसमें विभिन्न बाधाएं हैं जैसे पानी में छलांग लगाना, खुली खाइयो और बाधाओं पर छलांग लगाना। फिर भी हमें दौड़ते रहने के लिए विश्वास में स्थिर रहने हेतु बुलाया गया है।

यदि हम क्लेश और चुनौतियों के बावजूद- चाहे भौतिक, भावनात्मक, आत्मिक या आर्थिक हो - अपने विश्वास को थामें रहते हैं, हमें विजेता का मुकुट मिलेगा। हमारे लिए बीच दौड़ में रुकना या पीछे पलट कर देखना उपयुक्त नहीं होगा। इसके बजाय हमें हमारे हृदय में सच्चाई के साथ और हमारे प्राणों में विश्वास के साथ बने रहना है।

हमारी बुलाहट में विश्वासयोग्यता की आवश्यकता है, हमारी वर्तमान परिस्थितियां चाहे जो हों। परमेश्वर ने हमें जो कुछ सौंपा है - चाहे वह बड़ी जिम्मेदारी हो या छोटी, उसमें हमें विश्वासयोग्य रहना है। एक छोटी सी कंपनी में एक साधारण से पद पर भी विश्वासयोग्य रहना है। जब कोई नहीं देखता तब विश्वासयोग्य बने रहें क्योंकि परमेश्वर सब कुछ देखता है।

तत्परता के साथ कार्य करें। जैसा कि बाइबल हमें स्मरण दिलाती है,

**यदि तू ऐसा पुरुष देखे जो काम-काज में निपुण हो, तो वह राजाओं के सम्मुख खड़ा होगा; छोटे लोगों के सम्मुख नहीं।** - (नीतिवचन २२:२९)

आपके कार्य के स्थान पर शायद आपको सराहना न मिलती हो लेकिन विश्वासयोग्य बने रहें। आपके मित्र या परिवार आपको पहचानते न हों - विश्वासयोग्य बने रहें। आपके कलीसियाई समुदाय की दृष्टि में आप महत्वहीन महसूस करें फिर भी विश्वासयोग्य बने रहें। अंतिम प्रतिफल देने वाला परमेश्वर आपके परिश्रम को गुप्त में देखा है और आपको अपने सिद्ध समय में प्रकट रूप से प्रतिफल देगा।

एक दिन आ रहा है जब प्रभु कहेगा :

**उसके स्वामी ने उससे कहा, 'धन्य, हे अच्छे और विश्वासयोग्य दास, तू थोड़े में विश्वासयोग्य रहा; मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाऊँगा। अपने स्वामी के आनन्द में सहभागी हो।'** - (मत्ती २५:२१)

मेरी प्रार्थना है कि हमारे विश्वास में दृढ़ खड़े रहने हेतु परमेश्वर हमें बल प्रदान करे विश्वासयोग्यता के साथ और अटूट रूप से- समझौता न करते हुए, उन चुनौतियों के बावजूद जिनका हम सामना करते हैं। काश कि हम यीशु मसीह के सच्चे राजदूत बनने का प्रयास करें।

## २. धीरज के साथ दौड़ें!

**वह दौड़ जिसमें हमें दौड़ना है धीरज से दौड़ें।** - (इब्रानियों १२:१)

दृढ़ता या धीरज किसी भी खिलाड़ी के लिए महत्वपूर्ण गुण है। जब यात्रा मुश्किल हो जाती है तब हताश होने के लिए जगह नहीं होती। सफलता के लिए समर्पण, अनुशासन और अपने आप को आराम से परे आगे बढ़ने की आवश्यकता होती है। उसके लिए कठोर परिश्रम, संघर्ष, पसीना, दर्द और इतना ही नहीं निराशा के क्षणों की भी मांग है।

इस तरह हमारा मसीही जीवन एक आसान रास्ता नहीं है। हमें संघर्षों का सामना करना पड़ता है लड़ाइयों का सामना करना होता है और चुनौतियों का सहना पड़ता है जो हमारे विश्वास को परखते हैं। कभी-कभी हमें अकेलापन महसूस हो सकता है मानो हम ऐसे रास्ते पर चल रहे हैं जिसे दूसरे समझते नहीं। संसार के मूल्यों के साथ मेल न कर पाना, समझौता न कर पाना हमें ऐसे महसूस कराता है मानो हम असंगत हो।

यह भावनाएं स्वाभाविक हैं परंतु हमें यह याद रखना है कि यह मार्ग भले ही सकरा और चुनौती पूर्ण है फिर भी वह अनंतकालिक आनंद और परिपूर्णता की ओर ले जाता है। हम अटूट दर्शन के साथ आगे बढ़ते रहें, यह जानते हुए कि परमेश्वर हर कदम पर हमारे साथ है।

परमेश्वर के महान लोगों ने इसी प्रकार की भावनाओं को अनुभव किया। एलिय्याह ने विलाप किया, **"मैं ही अकेला रह गया हूँ"** (१ राजा १९:१०)। दाऊद अक्सर अकेलेपन के बोझ को अनुभव करता था और मूसा ने भी ऐसे क्षणों को सहा। ये भावनाएं हमारे लिए नई-नई हैं। परंतु **जो हमें अपनी दौड़ में दृढ़ रहने की सामर्थ्य देता है, वह है उन लोगों की गवाही जो हमसे पहले चले गए** (इब्रानियों १२:१)।

उनके उदाहरण हमें याद दिलाते हैं कि हम छोड़ नहीं सकते, हताश नहीं हो सकते।

भले ही यात्रा हमें थकान महसूस कराती हो, फिर भी हमें आगे बढ़ते रहना है। सहायता हमेशा हमारी पहुंच के भीतर है। हम में से कुछ लोग निराशाजनक शब्दों झूठे आरोपों, गलतफहमियों और निराशा का अंदरूनी एहसास का सामना कर रहे हो, यह पूछते हुए कि मुझे क्यों जारी रखना है, प्रभु?

फिर भी हमें दृढ़ता के साथ दौड़ने के लिए बुलाया गया है।

कोई भी अकेलेपन की इच्छा नहीं रखता। हम सब चाहते हैं कि दूसरे हमें शामिल करें। फिर भी हमें अपने हृदय की रक्षा करना है। **जो कोई संसार का मित्र होना चाहता है, वह अपने आप को परमेश्वर का बैरी बनाता है (याकूब ४:४)।** बाइबल हमें चेतावनी देती है कि जो संसार के मूल्यों के साथ समझौता करते हैं उनकी तुलना व्यभिचारियों और व्यभिचारिणियों से की गई है।

इसलिए हमें उसे दौड़ में जागृत रहना है जो परमेश्वर ने हमारे सामने रखी है। समझौते के लिए कोई स्थान नहीं है। स्थिर रहें क्योंकि प्रतिफल अनंतकालिक है।

## ३. दौड़ पूरी करने के लिए दौड़े!

इस दौड़ का अंतिम लक्ष्य मात्र दौड़ पूरी करना नहीं है, परंतु विजय के साथ पूरा करना है और ईनाम का दावा करना है। जैसा कि प्रेरितों के काम २०:२४ में लिखा है, **...परन्तु मैं अपने प्राण को कुछ नहीं समझता कि उसे प्रिय जानूँ, वरन् यह कि मैं अपनी दौड़ को और उस सेवा को पूरी करूँ**

प्रिय मित्रों, जीवन बड़ी तेजी से आगे बढ़ रहा है और हम यीशु के लिए जो करते हैं केवल वही बना रहेगा। जब हम

....Contd. to page 6

GREAT COMMISSION PARTNERS
ECHO OF HIS CALL MINISTRIES
SINCE 1969

# महान आदेश के भागी

✼ भार उठना (गलातियों 6:2), ✼ सहायता करना (रोमियों 12:13) और ✼ चमकाना (2 तीमु. 1:6)

## स्तुति और प्रार्थना निवेदन

**19 फरवरी 2025, से 18 मार्च 2025 तक**

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

### स्तुति विषय

**19 फरवरी** : हमारी **मीडिया सेवकाई** और **एको ऑफ हिज़ कॉल** यूट्यूब चौनल को आशीष देने के लिए ताकि वे सुसमाचार न पहुंचे हुए बहुभाषी लोगों तक पहुंच सकें।

**20 फरवरी** : हमारी चर्च सेवकाई को और अधिक संगठित तरीके से काम करने का आशीष देने के लिए।

**21 फरवरी** : हमारे **नहेम्याह बाइबल कॉलेज** और **सेंट पहल्स मैट्रिक्यूलेशन स्कूल** के छात्रों की ईश्वरीय सुरक्षा के लिए।

**22 फरवरी** : हमारे भागिदारों की नैतिक और वित्तीय सहायता से आशीष देने के लिए।

**23 फरवरी** : हमारे प्रार्थना सहयोगियों, सदस्यता भागीदारों, विश्वास भागीदारों, जीवन भागीदारों और महान आदेश भागीदारों और उनके परिवारों के प्रति परमेश्वर की दया के लिए।

**24 फरवरी** : हमारे वरिष्ठ पासबान द्वारा विविध सेवकाइयों के माध्यम से सुसमाचार का प्रचार करने के उनके समर्पण के लिए।

**25 फरवरी** : हमारी सभी चर्च गतिविधियों में भाग लेने के लिए युवाओं को उत्साह के साथ आशीष देने के लिए।

**26 फरवरी** : हमारे **एको ऑफ हिज़ कॉल** के सहायक संपादकों और उनके परिवारों को आशीष देने के लिए।

**27 फरवरी** : हमारे वरिष्ठ पासवान एस. सैम सेल्व राज और परिवार को सभी बुरी ताकतों से बचाने के लिए।।

**28 फरवरी** : हमारी मुख्य कलीसिया और शाखा कलीसियाओं रविवार की सभाओं में परमेश्वर के वचन की सामर्थ्य के लिए।

**01 मार्च** : हमारे सेंट पहल्स मैट्रिक्यूलेशन स्कूल के प्रिंसिपल, शिक्षा और गैर-शिक्षा कर्मचारियों की आशीष के लिए।

**02 मार्च** : हमारे कार्यकर्ताओं पर परमेश्वर के भरपूर अनुग्रह के लिए।

**03 मार्च** : हमारे मुख्य चर्च को मिशन के प्रति समर्पित सदस्यों से आशीषित करने के लिए।

### कृपया प्रार्थना करें

**04 मार्च** : इस्राएल, फिलिस्तीन, रूस और यूक्रेन में शांति के लिए।

**05 मार्च** : सभी देशों की एकता और शांति के लिए।

**06 मार्च** : मसीही प्रचारक बिना मिलावट सुसमाचार का प्रचार करें।

**07 मार्च** : शैक्षिणिक वर्ष 2025–26 के लिए हमारे आवासीय और शाम के नहेम्याह बाइबल कॉलेज के लिए योग्य छात्रों का प्रवेश हो।

**08 मार्च** : शैक्षिणिक वर्ष 2025–26 के लिए हमारे **सेंट पॉल मैट्रिक्यूलेशन स्कूल** के लिए नए छात्रों का प्रवेश हो।

**09 मार्च** : राष्ट्रों के बच्चे और युवा यीशु मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करें।

**10 मार्च** : दुनिया के बच्चों और युवाओं को मोबाइल फोन और अहनलाइन गेम की लत से बचाने के लिए।

**11 मार्च** : वृद्धाश्रम में रहने वाले वृद्धों के लिए।

**12 मार्च** : हमारे प्रभु इस महीने हमारी सभी ज़रूरतों को पूरा करें।

**13 मार्च** : हमारे सहयोगियों और राज्य समन्वयकों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए।

**14 मार्च** : हमें भारत के उन स्थानों पर सुसमाचार फैलाने की सामर्थ्य के लिए, जहाँ तक पहुँच नहीं है।

**15 मार्च** : इस नए साल २०२५ में आप पर बहुत दया हो इसलिए।

**16 मार्च** : हमारे वरिष्ठ पासवान एस. सैम सेल्व राज और उनके परिवार के सदस्यों की सभी तरह की बुरी ताकतों से सुरक्षा।

**17 मार्च** : दुनिया की सभी महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा।

**18 मार्च** : हमारे कर्मचारी सदस्यों के स्वास्थ्य।

*पृष्ठ 4 से आगे:...*

इस वर्ष की शुरुआत में खड़े हैं, समय है कि हम आत्म परीक्षण करें। क्या परमेश्वर द्वारा आपके सामने रखी गई दौड़ को आप दौड़ रहे हैं? क्या आप सही ट्रैक पर बने हैं? क्या आप अपना सब कुछ दे रहे हैं, ध्यान विचलन के बावजूद बाधाओ और चुनौतियों के बावजूद जो आपके पीछे खींचने की कोशिश करते हैं, दृढ़ता के साथ दौड़ रहे हैं? यदि नहीं, तो अपने आप को फिर समर्पण करने का यह सिद्ध समय है।

आइए हम विश्वासयोग्यता के साथ, धीरज के साथ और दढ़ संकल्प से दौड़ें। हार न मानें! परमेश्वर विश्वासयोग्य है। वह हमें कभी ऐसे स्थान में नहीं ले जाएगा जहां उसका अनुग्रह काफ़ी न हो।

यदि आप जो बोझ उठा रहे हैं वह बहुत बोझिल, बहुत भारी या भावनात्मक रूप से थका देने वाला लगता है, तो परमेश्वर के सामने आएं और अपने दिल की बात उससे कहें। कहें, "प्रभु, मैं इस क्षेत्र में संघर्ष कर रहा हूं। मैं अपने कंधों पर इस भार के साथ दौड़ना जारी नहीं रख सकता।"

राजा हिजकिय्याह के उदाहरण पर विचार करें। जब उसने अश्शूर के राजा के शब्दों को सुना, तो उसका दिल टूट गया। वह पूरी तरह से असहाय महसूस कर रहा था। अश्शूर के राजा ने उसका और उसके विश्वास का मज़ाक उड़ाते हुए कहा, "तुम मेरे खिलाफ़ खड़े होने की हिम्मत कैसे कर सकते हो? तुम्हें क्या भरोसा है? कौन तुम्हें मेरे हाथ से बचाएगा? यह सब खत्म हो चुका है। कोई भी तुम्हें नहीं बचा सकता। यदि तुम चाहो, तो मैं तुम्हें २,००० घोड़े भी दूंगा - यदि तुम उनके लिए सवार ढूंढ़ सको - मेरे खिलाफ़ लड़ने के लिए!"

कैसी चुनौती है! उस पल में राजा हिजकिय्याह की मानसिक और भावनात्मक स्थिति की कल्पना करें। फिर भी, अपनी निराशा में, हिजकिय्याह ने परमेश्वर की ओर रुख किया, जो उसकी सामर्थ्य का सच्चा स्रोत था।

इस स्थिति में आप क्या करेंगे? अश्शूरी बंदियों के साथ, खास तौर पर प्रतिद्वंद्वी राजाओं के साथ क्रूर व्यवहार के लिए बदनाम थे। यह जानते हुए, हिजकिय्याह समझ गया कि उसका भविष्य अंधकारमय लग रहा था। वह अपना विश्वास त्याग सकता था और अपने सामने रखी दौड़ को पूरा करने में विफल हो सकता था। हालांकि, यशायाह ३७ एक अलग प्रतिक्रिया प्रकट करता है :

१. वह प्रभु की उपस्थिति की ओर मुड़ा - हिजकिय्याह मंदिर में गया और उसने अपने आप को परमेश्वर के सामने दीन किया।

२. उसने अपनी परेशानियां परमेश्वर के साथ साझा की - उसने अपने दिल की बात बताई और ईश्वरीय मार्गदर्शन मांगा। जैसा कि दाऊद ने **भजन ११९:२६** में लिखा है, **"मैं ने अपनी चालचलन का तुझ से वर्णन किया है और तू ने मेरी बात मान ली है; तू मुझ को अपनी विधियाँ सिखा!"** एक अन्य अनुवाद इस प्रकार है, "मैंने तुझे अपने जीवन के बारे में सब कुछ बता दिया।" इसी तरह, हमें अपनी समस्याओं, असफलताओं और निराशाओं को परमेश्वर के सामने लाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। जब हम ऐसा करेंगे, तो वह हमें आगे का रास्ता सिखाएगा।

## दौड़ते रहो!

परमेश्वर के प्रिय पुरुषों और स्त्रियों, क्या आप अपनी सेवकाई में विश्वासयोग्य बने रहने से थक गए हैं? क्या आप दृढ़ रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं? हार मत मानिए! अभी हार मानने का समय नहीं है। उठो और तब तक दौड़ते रहो जब तक वह आपको रुकने के लिए न कहे!

चाहे हम किसी भी चुनौती का सामना करें, हमें धीरज के साथ दौड़ना चाहिए।

## कैसे न दौड़ें?

व्यर्थ न दौड़ें : पौलुस गलातियों २:२ में लिखता हैं, **...ताकि ऐसा न हो कि मेरी इस समय की या पिछली दौड़ धूप व्यर्थ ठहरे।**

हमें उस दौड़ में भाग लेने के लिए सावधान रहना चाहिए जो ईश्वर ने हमारे सामने रखी है और अपने प्रयासों को बर्बाद नहीं करना चाहिए। विश्व स्तरीय खिलाड़ी शाइनी अब्राहम से सबक लें। हालांकि उसने अपनी दौड़ पहले पूरी की, लेकिन एक छोटी सी, मासूम सी गलती के कारण वह पदक से चूक गई।

कभी-कभी, हम मेहनती, समर्पित और वफ़ादार हो सकते हैं, फिर भी पुरस्कार जीतने में असफल हो सकते हैं। क्यों? क्योंकि हम अनदेखा कर सकते हैं कि परमेश्वर हमसे वास्तव में क्या चाहता है। हम उस विशिष्ट दौड़ को समझने से चूक सकते हैं जिसे उसने हमारे लिए दौड़ने के लिए तैयार किया है।

आइए हम उसकी इच्छा जानने, उसके उद्देश्य को समझने और उस संदेश को

*पृष्ठ 9 में क्रमश:...*


NEHEMIAH BIBLE COLLEGES,
Chepauk & Santhoshapuram, Velachery Chennai.
Qualification : 10th Standard & above
ECHO OF HIS CALL 1969-2019 GOLDEN JUBILEE REACHING NATIONS
Rush for admission! Medium :Tamil (Part Time)
Diploma in Theology Hindi (Residential) (Sponsorship Available)
Recognised by International Christian Leaders & Senior Pastors for the past 55 years
Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

## कृपया हमारे मुख्यालय में हो रहे सेवाकार्यो के लिए प्रार्थना करें!

१. प्रार्थना सेवा : २४ घंटे
२. **बाइबलकोर** - बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम : अंग्रेजी, तमिल, हिन्दी
३. **बुलावे की प्रतिध्वनि (एको ऑफ हिज़ कॉल)** - मासिक पत्रिका अंग्रेजी, तमिल, मलयालम, तेलुगू, हिन्दी, कन्नड, मराठी, गुजराती, बगाली, उड़िया, नेपाली, आसामी, पंजाबी, उर्दू, सिन्हाला, अफ्रीकान
४. नहेम्याह बाइबल कॉलेज (तीन केन्द्र)
५. थियोलॉजिकल प्रशिक्षण कोर्स - अंग्रेजी एवं तमिल
६. ग्रेट कमिशन पार्टनर्स
७. प्रशिक्षण कार्यक्रम
८. सुसमाचार सभाएं
९. साहित्य वितरण और फॉलो-अप
१०. सुसमाचार साहित्य मुद्रणालय -प्रकाशन
११. सेंट पॉल्स मॅट्रिक्युलेशन स्कूल- विलेज इंग्लीश स्कूल
१२. सण्डेस्कूल रविवार प्रातः ८.३० बजे
**१३. तमिल उपासना रविवार प्रात ५.०० बजे - ७.०० बजे १०.००बजे**
**१४. हिन्दी उपासना रविवार सायं ४.०० बजे**
**१५. तेलुगू उपासना रविवार सायं ५.०० बजे**
**१६. अंग्रेजी तथा तमिल उपासना रविवार सायं ६.०० बजे**
१७. महिलाओं की प्रार्थना सभा बुधवार सायं ५.३० बजे
१८. पुरुषों की प्रार्थना सभा शुक्रवार सायं ६.३० बजे
१९. शिष्यता की सभा शनिवार सायं ६.०० बजे
२०. गृह सभाएँ मंगल.गुरु सायं ६.३० बजे
२१. विशेष पवित्र सहभागिता-प्रभुभोज प्रतिमाह के १ ला दिवस पर प्रातः ५.३० बजे
२२. कर्मचारी समीक्षा सभा प्रथम शनिवार सायं ५.३० बजे
२३. पालकों की प्रार्थना सभा प्रथम रविवार सायं ४.०० बजे
२४. रात्रकालिन प्रार्थना द्वितीय शुक्रवार रात ९.३० बजे
२५. उपवास के साथ प्रार्थना प्रथम शनिवार सायं ६.३० बजे
२६. पवित्र प्रभुभोज द्वितीय रविवार की उपासनाएँ
२७. प्रातःकालीन उपासना प्रतिदिन प्रातः ५.०० बजे
२८. कर्मचारी वर्ग द्वारा प्रार्थना उपासना प्रतिदिन प्रातः ६.०० बजे
२९. कार्यालय प्रातः ६.०० बजे से सायं ६.०० बजे (रविवार छोड़कर)

## ऍको ऑफ हिज़ कॉल पत्राचार पाठ्यक्रम केवल भारत में उम्मीदवार के लिए

### 1. बाइबलकोर

हम नए मसीहियों और गैर–मसीहियों के लिए बाइबल के बुनियादी सत्य पर पत्राचार पाठ्यक्रम प्रस्तुत करते हैं अंग्रेजी–57 पृष्ठ, हिन्दी–76 पृष्ठ, और तमिल–96 पृष्ठ। आपको एक पाठ्यक्रम पुस्तक मिलेगी जिसका शीर्षक है नया जीवन – आपके लिए! इस कोर्स के पूरा होने के बाद आपको ***आपके लिए नया जीवन*** शीर्षक युक्त पाठ्यक्रम की एक पुस्तक प्राप्त होगी।

### 2. ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम

ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम नामक एडवान्स्ड डिस्टन्स एज्युकेशन पासबानों, सुसमाचार प्रचारकों और मसीही अगुवों के लिए भी उपलब्ध है जिन्हें परमेश्वर की सेवा के लिए बोझ है– अंग्रेज़ी 537 पृ. और तमिल 652 पृ. ! शुल्क रु. 1000/– लिया जाएगा, 149 अध्यायों की सात पुस्तकें दी जाएगी। सर्टिफिकेट इन मिनिस्ट्री दिया जाएगा। परमेश्वर आपको आशीष दे!

***अधिक जानकारी के लिए आज ही सम्पर्क करें।***

**The Chairman, Nehemiah Bible College,**
Echo of His Call, Post Box 2957
CHEPAUK, CHENNAI - 600 005.
Ph.: (044) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766,
Cell : 98410 71852, 95661 31858
E.mail : biblecor@yahoo.co.in

## एको ऑफ हिज़ कॉल मासिक पत्रिका विनामूल्य पाने का उत्तम अवसर

यदि आप डाक, पत्र, ईमेल, वॉट्स अप या फोन करके अपने मित्रों/रिश्तेदारों के पते भेज सके, तो हम उन्हें **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका विनामूल्य भेजेंगे।

## कर में छूट

किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा "एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट" को दिया गया दान आयकर कानून की धारा ८० जी. के तहत कर मुक्त माना जाता है। इसके लिए अधिकृत रसीद दी जाएगी। दानदाताओं से निवेदन है कि वे अपने चेक तथा ड्राफ्ट **"एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट"** के नाम पर आपके आधार कार्ड और पैन कार्ड के साथ भेज दें।

| | | |
|---|---|---|
| Account Name | : | ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST |
| Account Number | : | 1023 2923 805 |
| Bank Name | : | STATE BANK OF INDIA |
| Branch | : | TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005 |
| IFSC Code | : | SBIN 0000249 |
| SWIFT Code | : | SBI NIN BB 455 |

# खाई से महल तक

## (पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

*"जो पढ़े वह समझे"* मत्ती 24:15

**जितने हथियार तेरी हानि के लिये बनाए जाएं, उन में से कोई सफल न होगा, और जितने लोग मुद्दई होकर तुझ पर नालिश करें उन सभों से तू जीत जाएगा। - यशायाह 54:17**

जब भी हमने परमेश्वर के राज्य के विस्तार के लिए कोई नई सेवकाई शुरू की, तो हमें कई तरह के विरोध और कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कभी-कभी विपत्तियां सीधे शैतान की ओर से आती थीं और कभी-कभी विपत्तिया लोगों की ओर से आती थीं। कई मौकों पर मुझे अकेले ही मुश्किलों और विरोधों का सामना करना पड़ा। जब हम मुख्य मिशन भवन का निर्माण कर रहे थे, तो उस इलाके में रहने वाले लोग बहुत नाखुश थे। उन्होंने निर्माण के दौरान मुझे ज़्यादा से ज़्यादा परेशान करने की कोशिश की थी। जो मज़दूर इसमें शामिल थे, वे भी काफ़ी परेशान थे और कुछ लोगों द्वारा दी गई यातनाओं की वजह से ज़्यादातर मज़दूरों ने काम छोड़ दिया और मुझे आगे काम करना बहुत मुश्किल लगा।

भारी विरोध को देखते हुए, बिल्डिंग का ठेकेदार ने जो एक मसीही था, अपने मज़दूरों को वापस ले लिया और वहां से भाग गया। कुछ लोग जो प्रभु के कामों के खिलाफ़ थे, वे मेरे पास बहुत ही विनम्रता से आए और मुझसे उस खास जगह पर प्रभु का काम बंद करने और दूसरे मसीही इलाके में जाने के लिए कहा और उन्होंने इसके लिए मुझे मनचाही रकम देने की पेशकश की। मैं अपनी बुलाहट में बहुत जिद्दी था और मैंने उनसे विनम्रतापूर्वक कहा कि मैं उनकी आवाज़ नहीं सुन सकता और उन्हें समझाया कि यह जीवित परमेश्वर का काम है और उनसे अनुरोध किया कि वे किसी भी तरह से काम के खिलाफ़ न खड़े हों।

लेकिन वे मुझे मानसिक और शारीरिक रूप से तनाव देते रहे। इस परीक्षा की घड़ी में, मैंने शहर के विभिन्न मसीही अगुवों और मसीही वकीलों से संपर्क किया ताकि वे मेरा साथ दें। दुःख की बात है कि कोई भी मेरी मदद के लिए नहीं आया। लेकिन मैंने प्रार्थना में बहुत समय बिताया और प्रभु से मेरे साथ रहने के लिए कहा। मुझे विश्वास के साथ आगे बढ़ने में शांति भी मिली।

उदाहरण के लिए, एक दिन, कांक्रीट फ़्लोरिंग शुरू हुई और आसानी से मिक्स किए जाने वाले कांक्रीट ट्रक आए और काम शुरू हो गया। कुछ पड़ोसी मेरे खिलाफ़ हो गए और काम के खिलाफ़ चिल्लाने लगे। मुझे नहीं पता था कि क्या करना है और मुझे मिक्स किए गए कांक्रीट के ट्रकों को संबंधित कंपनी को वापस भेजना पड़ा, लेकिन इसकी कीमत चुकानी पड़ी। लेकिन कुछ दिनों के बाद परमेश्वर ने मुझे काम पूरा करने में मदद की।

आखिरकार, पूरा काम खत्म होने के बाद, मैंने अपने दोस्तों और शुभचिंतकों को निमंत्रण पत्र भेजना शुरू कर दिया, जिसमें उनसे इमारत के समर्पण सेवा में शामिल होने का अनुरोध किया गया। उस समय तक, मेरे और प्रभु के काम के खिलाफ़ खड़े सभी लोग गायब हो चुके थे। उनमें से कुछ को पारिवारिक समस्याओं के कारण इलाका छोड़ना पड़ा; उनमें से कुछ ने संपत्ति बेच दी और चले गए; और प्रभु के काम के खिलाफ़ खड़े लोगों के जीवनों में बहुत सारी दुखद घटनाएं घटीं। लेकिन सबसे दुखद बात यह थी कि जब मैंने उन्हें हमारे समर्पण समारोह में शामिल होने के लिए निमंत्रण देने के लिए खोजा, तो मैं उनके ठिकाने या उनके परिवारों का पता लगाने में असमर्थ था। कुछ इमारतों को अब भी बंद रखा गया है और लंबे समय से वहां कोई नहीं रह रहा था। कुछ इमारतों को ध्वस्त कर दिया गया और वहां कोई नहीं है। अब प्रभु के काम के खिलाफ़ खड़ा होने वाला कोई नहीं है। हमारा परिसर इलाके में सबसे व्यस्त है। लोग स्वतंत्रता से प्रभु की आराधना करते हैं। परमेश्वर के राज्य के विस्तार के लिए बहुत सारी गतिविधियां दिन-रात चल रही हैं। बाइबल कहती है : **यहोवा ऐसा करेगा कि तेरे शत्रु जो तुझ पर चढ़ाई करेंगे वे तुझ से हार जाएंगे; वे एक मार्ग से तुझ पर चढ़ाई करेंगे, परन्तु तेरे सामने से सात मार्ग से होकर भाग जाएंगे। व्यवस्थाविवरण 28:7। जो तुझ से लड़ते हैं उन्हें ढूंढ़ने पर भी तू न पाएगा; जो तुझ से युद्ध करते हैं वे नष्ट होकर मिट जाएंगे। यशायाह 41:12।**

प्रिय मित्र, क्या आप अपने जीवन में बड़ी विपत्तियों से और अशांति से गुज़र रहे हैं, भले ही आप अच्छे काम करने की कोशिश करते हों? धैर्य रखें और परमेश्वर के चेहरे की ओर देखें। भले ही आपने अपने जीवन में सब कुछ खो दिया हो, लेकिन भविष्य अभी भी बाकी है।

************

*....Contd. from page 6*

डाउनलोड करने के लिए समय निकालें जिसे उसने हमारे जीवन के लिए विशिष्ट रूप से तैयार किया है। तभी हम उद्देश्यपूर्ण तरीके से दौड़ सकते हैं और विजयी होकर दौड़ पूरी कर सकते हैं।

२ शमूएल १८ में, हम एक दिलचस्प घटना का सामना करते हैं। योआब राजा दाऊद की लड़ाई में उसके बेटे अबशालोम से लड़ रहा था। संघर्ष के बावजूद, दाऊद ने स्पष्ट रूप से आदेश दिया था कि अबशालोम को कोई नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। हालांकि, युद्ध के दौरान, योआब ने जीत हासिल की, लेकिन अबशालोम मारा गया। यह दुखद समाचार दाऊद तक पहुंचाने की ज़रूरत थी - एक ऐसा काम जिसके लिए अत्यंत संवेदनशीलता की आवश्यकता थी।

दो धावकों ने स्वेच्छा से दाऊद तक संदेश पहुंचाया। हालांकि, योआब ने अहीमास को उस दिन संदेश न लेने का निर्देश दिया, यह सुझाव देते हुए कि वह किसी और समय दौड़ सकता है। इसके बजाय, योआब ने एक कूशी दूत को चुना और उसे जो कुछ उसने देखा था उसे बताने का निर्देश दिया। कूशी भागने लगा, लेकिन अहीमास ने उसके साथ चलने पर ज़ोर दिया, आखिरकार उसने योआब को उसे भी दौड़ने देने के लिए मना लिया। तेज़ दौड़ने वाला अहीमास कूशी से आगे निकल गया और पहले राजा दाऊद के पास पहुँच गया।

दाऊद ने बड़ी उत्सुकता से प्रतीक्षा करते हुए, अहीमास से युद्ध के परिणाम के बारे में उत्सुकता से पूछा। हालांकि, अपनी गति और प्रयास के बावजूद, अहीमास ने स्वीकार किया कि उसे पूरी जानकारी नहीं थी : ... मैंने एक बड़ी उलझन देखी ... लेकिन मुझे नहीं

*कुशी युक्तिपूर्वक दाऊद को अबशालोम की मृत्यु के बारे में बताता है*

पता कि यह क्या था। २ शमूएल १८:२६। उसके पास देने के लिए कोई सार्थक संदेश नहीं था, भले ही वह अथक परिश्रम और दृढ़ता के साथ दौड़ा था।

इसके विपरीत, कूशी, हालांकि धीमा था, एक संदेशवाहक के रूप में उसने अपनी जिम्मेदारी पूरी की। जब वह पहुंचा, तो उसने संदेश को स्पष्टता और संवेदनशीलता के साथ बताया। दाऊद के सवाल के जवाब में, कुशी ने कहा, ... **मेरे प्रभु राजा के दुश्मन और जितने लोग तुम्हें नुकसान पहुंचाने के लिए उठते हैं, वे उस युवक की तरह हों।** २ शमूएल १८:३२। सीधे तौर पर बताए बिना, कुशी ने चतुराई से दाऊद को अबशालोम की मौत की सूचना दी।

अहीमास और कूशी के बीच तुलना चौंकाने वाली है। अहीमास एक बेहतर धावक था लेकिन एक निष्कृष्ट संदेशवाहक था क्योंकि उसके पास सबसे महत्वपूर्ण तत्व - एक संदेश की कमी थी। संदेशवाहक की पहली जिम्मेदारी सही संदेश देना है, चाहे वह कितनी ही वाक्पटुता से पेश किया गया हो। इस वचन पर विचार करते हुए, आइए हम इस शिक्षा पर ध्यान दें : अहिमास की तरह मत भागो!

मेरे प्रिय भाइयों और बहनों, इस वर्ष की शुरुआत करते हुए, आइए हम सिर्फ़ तेज़ी और प्रयास के साथ नहीं बल्कि उद्देश्य और स्पष्टता के साथ दौड़ें। आइए हम दौड़ें

************

## तत्काल आवश्यकता

एको ऑफ हिज़ कॉल का विस्तार बड़ी तेज़ी से हो रहा है। हमें निम्नलिखित पदों के लिए मिशन की मानसिकता रखनेवाले, उसके के प्रति समर्पित, और विश्वासयोग्य पुरुष और महिला उम्मीदवारों की आवश्यकता है :

- हमारे मुख्य गिरजाघर के लिए पूर्णकालिक सहायक पास्टर
- चेन्नई में हमारी शाखा कलीसियाओं के लिए पूर्णकालिक सहायक पास्टर
- पूर्णकालिक सुरक्षा कर्मी
- डी. टी. पी. ऑपरेटर और टाइपिस्ट
- अंग्रेजी और अन्य भाषाओं को बोलने और लिखने में कुशल
- प्रशासन में रुचि रखने वाले कार्यालय प्रबंधक
- पूर्णकालिक बाइबल कॉलेज व्याख्याता
- स्वयंसेवक जो हमारी सेवकाई को बढ़ावा दे सकें
- पूर्णकालिक ड्राइवर
- मैट्रिकुलेशन स्कूल के लिए प्रिंसिपल और शिक्षक
- पूर्णकालिक रसोइया (महिला)
- पूर्णकालिक हाउसकीपिंग कर्मचारी

**योग्यता और अनुभव के आधार पर वेतन।**

Please Contact **ECHO OF HIS CALL** office

**आवेदन करें**

व्हाट्सएप नंबर : **98412 71858**

ईमेल : **sam@echoofhiscall.org**

RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/24-26 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26

## एको ऑफ हिज़ कॉल

### यू ट्यूब

Please subscribe

कृपया आपके समय के अनुसार हमारा **एको ऑफ हिज़ कॉल यू ट्यूब चैनल** देखें और उसे सब्स्क्राईब करें। - धन्यवाद

## OUR BANK DETAILS:

### *1. Bank : State Bank of India*

| | | |
|---|---|---|
| Branch | : | **Triplicane, Chennai-5** |
| Name | : | **S. Sam Selva Raj** |
| A/C No. | : | **1023 2934 679** |
| IFSC | : | **SBIN 00 00 249** |
| SWIFT CODE | : | **SBI NIN BB 455** |

### *2. Bank : ICICI Bank*

| | | |
|---|---|---|
| Branch | : | **Anna Salai, Chennai-6** |
| Name | : | **Echo of His Call** |
| A/C No. | : | **6038 0502 2319** |
| IFSC | : | **ICIC 000 6038** |

### *3. Bank : State Bank of India*

**(This Account is for Tax Exemption for Indians only )**

| | | |
|---|---|---|
| Branch | : | **Triplicane, Chennai-5** |
| Name | : | **Echo of His Call Educational Trust** |
| A/C No. | : | **1023 2923 805** |
| IFSC | : | **SBIN 00 00 249** |

**Google Pay: 98410 71858**
**PayPal : SAM SELVA RAJ**

*****

**E.mail : sam@echoofhiscall.org**

# एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

**वार्षिक शुल्कः रु. १००/-      आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-**

**एको ऑफ हिज़ कॉल** की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

**एको ऑफ हिज़ कॉल** सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :

**ECHO OF HIS CALL**

10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.com

**YOU CAN SEND YOUR DONATION ONLINE ALSO**

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/24-26
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS / 1 Patrika Channel"
on 10th FEBRUARY 2025.
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

*JESUS LOVES YOU!*

To

*GOD BLESS YOU!*

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by **S. Sam Selva Raj** at **Echo of His Call Printers,** New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**